स्कूलों के लिए भाषा संगम मोबाइल ऐप और एक भारत श्रेष्ठ भारत मोबाइल क्विज़

केंद्रीय शिक्षा और कौशल विकास मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि फॉर्मल क्रेडिट अर्निंग सिस्टम के साथ भाषा सीखने को एक कौशल के रूप में बढ़ावा दिया जाएगा। उन्होंने यह बात स्कूलों के लिए भाषा संगम पहल, भाषा संगम मोबाइल ऐप और श्री सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के रूप में हर साल 31 अक्टूबर को मनाए जाने वाले राष्ट्रीय एकता दिवस पर उन्हें श्रद्धांजलि के रूप में एक भारत श्रेष्ठ भारत प्रश्नोत्तरी ऐप के शुभारंभ के दौरान कही।

श्री प्रधान ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देने पर जोर देने की सोच को रेखांकित करती है। उन्होंने कहा कि भविष्य में औपचारिक साख अर्जन प्रणाली के साथ भाषा सीखने को एक कौशल के रूप में बढ़ावा दिया जाएगा। श्री प्रधान ने कहा कि भारत की आजादी के 75 साल पूरे होने पर देश आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है। उन्होंने कहा कि आज शुरू की गई पहल हमारे छात्रों को हमारे देश की भाषाई विविधता को अपनाने और हमारी संस्कृति, विरासत और विविधता की समृद्धि के बारे में संवेदनशील बनाने में मदद करेगी।

भाषा संगम 22 भारतीय भाषाओं में रोज उपयोग में आने वाले बुनियादी वाक्य सिखाने के लिए एक भारत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम के तहत शिक्षा मंत्रालय की एक पहल है। इस पहल के पीछे की सोच यह है कि लोगों को अपनी मातृभाषा के अलावा किसी अन्य भारतीय भाषा में भी बुनियादी बातचीत का कौशल हासिल करना चाहिए। हमारा लक्ष्य है कि आजादी का अमृत महोत्सव के दौरान कम से कम 75 लाख लोग इस कौशल को हासिल करें।

भाषा संगम के तहत आज शुरू की गई पहल :

- स्कूली बच्चों के लिए एक पहल जो दीक्षा, ई-पाठशाला और 22 पुस्तिकाओं के माध्यम से उपलब्ध कराई जा रही है
- भाषा संगम मोबाइल ऐप को माईगॉव के सहयोग से मल्टीभाषी नामक एक स्टार्टअप द्वारा विकसित किया गया है
- मंत्रालय के इनोवेशन सेल के जरिए नज़ारा टेक्नोलॉजीज द्वारा भारत के राज्यों पर 10,000 से अधिक प्रश्नों के साथ एक मोबाइल ऐप आधारित प्रश्नोत्तरी विकसित की गई है
- स्कूलों के लिए भाषा संगम पहल

एनसीईआरटी द्वारा विकसित

- 22 अनुसूचित भाषाओं में 100 वाक्य इस प्रकार प्रस्तुत किए गए हैं कि स्कूल में बच्चे भारतीय

भाषा में देवनागरी लिपि में, रोमन लिपि में और हिंदी एवं अंग्रेजी में अनुवाद पढ़ सकेंगे।

- भारतीय सांकेतिक भाषा के साथ ऑडियो और वीडियो के रूप में 100 वाक्य प्रस्तुत किए गए हैं।
- भाषा संगम के इस कार्यक्रम के माध्यम से विद्यालय में छात्र सभी भाषाओं – उनकी लिपियों, उच्चारण से परिचित हो सकेंगे।
- दीक्षा, ई-पाठशाला और 22 पुस्तिकाओं में उपलब्ध

भाषा संगम मोबाइल ऐप

- यह माईगॉव के सहयोग से डीओएचई की एक पहल है
- इस ऐप को एक स्टार्ट-अप मल्टीभाषी द्वारा विकसित किया गया है, जिसे माईगॉव द्वारा एक प्रतियोगिता के माध्यम से चुना गया है
- ऐप में शुरू में 22 भारतीय भाषाओं में प्रतिदिन उपयोग आने वाले 100 वाक्य हैं। ये वाक्य दोनों रोमन लिपि और दी गई भाषा की लिपि में तथा ऑडियो प्रारूप में भी उपलब्ध हैं। बाद में इस सूची में और वाक्य जोड़े जाएंगे।
- परीक्षण के आधार पर छात्र सीखने के कई चरणों से गुजरेगा। अंतिम में डिजिटल प्रमाणपत्र के साथ एक विस्तृत परीक्षण भी होगा।
- यह ऐप एंड्रॉयड और आईओएस दोनों में उपलब्ध है

ईबीएसबी प्रश्नोत्तरी ऐप

- ईबीएसबी क्विज़ गेम का लक्ष्य भारत के बच्चों और युवाओं को हमारे विभिन्न क्षेत्रों, राज्यों, संस्कृति, राष्ट्रीय नायकों, स्मारकों, परंपराओं, पर्यटन स्थलों, भाषाओं, भूगोल, इतिहास, स्थलाकृति के बारे में अधिक जानने में मदद करना है।
- इस प्रश्नोत्तरी के हिस्से के रूप में हमारे पास पहले से ही 10,000 से अधिक सवाल हैं। इस क्विज़ गेम को खेलना काफी सरल है – क्विज़ खेलें, सीखें और ग्रेड प्राप्त करें। इसके अलावा, इस प्रश्नोत्तरी में सवालों की कठिनता के 15 विभिन्न स्तर हैं।
- फिलहाल ईबीएसबी क्विज एंड्रॉयड ओएस पर उपलब्ध है। आईओएस वर्जन जल्द ही उपलब्ध कराया जाएगा।
- यह गेम फिलहाल अंग्रेजी और हिंदी में उपलब्ध है। अगले 3 महीनों में ईबीएसबी क्विज़ 12 अन्य विभिन्न क्षेत्रीय भाषाओं में भी उपलब्ध होगा।

इस कार्यक्रम में शिक्षा राज्य मंत्री श्री आर. आर. सिंह, डीओएसईएल सचिव श्रीमती अनीता करवाल, उच्च शिक्षा सचिव श्री संजय मूर्ति, माईगॉव के सीईओ श्री अभिषेक सिंह के साथ ही स्कूलों और विश्वविद्यालयों के छात्रों और शिक्षकों ने भाग लिया।